दो पेट्रोल पंपों को छोड़ शहर के सारे पेट्रोल पंप हुए ड्राई

लगी रहीं वाहनों की लंबी कतारें

नवभारत न्यूज

पन्ना, 28 मार्च। ईरान-इजराईल युद्ध का असर अब स्पष्ट देखने को मिल रहा है। सरकार चाहे जितने दावे करे लेकिन हकिकत यह है कि डीजल पेट्रोल सहित गैस की किल्लत समूचे जिले में बरकरार है। आज पन्ना जिला मुख्यालय के पेट्रोल पंपो की यह स्थिति रही की सिर्फ दो पेट्रोल पंपो को छोडकर सभी पेट्रोल पंपो में डीजल पेट्रोल का आभाव होने के कारण बंद रहे।

सिर्फ मेहदेले फिलिंग सेंटर एवं डायमंड पेट्रोल पंप में डीजल पेट्रोल मिलने के कारण वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिली। वहीं जिला मुख्यालय को छोड तहसील मुख्यालयों में गैस की भारी किल्लत देखने को मिली, हो सकता है कि जिला मुख्यालय में भी भविष्य में गैस का भारी संकट खडा हो सकता है जिसे नजरअंदाज नही किया जा सकता। पन्ना के पेट्रोल पंपो पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सुबह से शुरू हुई भीड देर रात तक थमती नही दिखी। हालात यह है कि लोगो में स्टॉक खत्म होने का डर है जिस चक्कर में स्टोर करने की भीड लगी हुई है। हालात यह रहे कि आम दिनों के मुकाबले पेट्रोल की मांग तीन गुना तक पहुंच गई है। सबसे ज्यादा दबाव दो पहिया वाहनों का रहा। लोग टंकी फुल कराने के साथ बोतलों में भी पेट्रोल भराते दिखे। कई पेट्रोल पंपो पर कतारें सडकों तक फैल गई, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था भी चरमरा गई। अचानक बढी भीड ने सप्लाई सिस्टम पर भी दबाव बना दिया। पंप संचालकों ने माना कि इतनी तेज मांग सामान्य नही हैं। चैंकाने वाली बात यह रही कि प्रशासन और तेल कंपनियों की ओर से बार बार यह स्पष्ट किया गया कि किसी तरह की कमी नही है, इसके बावजूद लोगो में भरोसा नही दिखा।

दो को छोड़कर सूख गए शहर के आधे पंप

एक तरफ जहां प्रशासन शहर में डीजल पेट्रोल की कोई किल्लत न होने का दावा करता रहा तो वहीं दूसरी तरफ लगातार लोगो की लम्बी लम्बी कतारें डीजल-पेट्रोल पंपो में नजर आई। शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये है कि पेट्रोल पंपो में गैलन व डिब्बों में पेट्रोल व डीजल न दिया जाये बावजूद इसके धडल्ले के साथ ऐसा होता रहा। वहीं आज दो पेट्रोल पंपो को छोडकर सभी पेट्रोल पंप बंद रहे जो सरकार एवं प्रशासन के दावों की पोल खोलते नजर आये। जहां प्रशासन एवं शासन दावा करता आ रहा है कि तेल एवं रसोई गैस की कोई कमी नही है लेकिन वास्तविकता सबके सामने देखने को मिली।

राम राज्य के लिए श्रीराम के आदर्शों पर चलना होगा : ब्रह्माकुमारी

नवभारत न्यूज

पन्ना,28 मार्च। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में रामनवमी का पर्व बड़े ही उमंग उत्साह एवं आध्यात्मिक रीति से मनाया गया। ब्रह्माकुमारी बहन ने आज के दिन की सभी को बधाई देते हुए कहां की आज का दिन महत्वपूर्ण है आज हम सभी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म उत्सव मना रहे हैं। आगे आपने कहा कि श्री राम में वह कलाएं थी जिन्हें मानव आज भी धारण करें तो अब भी उनके समान बन सकता है।

श्री राम मात पिता की आज्ञा का पालना, भ्रातृ भावना में अति स्नेह, गुरू में समर्पित श्रद्धा भाव, जनता के प्रति अत्यंत सेवा भावना थी। उन्होंने परिवार के प्रति सर्व मर्यादाओं पर चलकर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है तभी वह जन जन के प्रिय राम दिलों में बसने वाले राम बने। श्री राम गुणों की खान थे, जटिल परिस्थितियों धैर्यता,गंभीरता, शील व विनम्रता रूपी दिव्य गुणों का अलंकार नहीं छोड़ा तथा शत्रुओं पर उन्होंने विजय पाई राम का जीवन त्याग, तप की मिसाल है। आपने कहा अपने मन में दुर्गुणों और आसुरीयता रूपी रावण का अंत नहीं किया तब तक सद्गुणों और मर्यादा रूपी राम का जन्म कभी नहीं हो सकता।

शायद इसी की स्मृति में राम जन्म से पूर्व नौ देवियों का आवाहन होता है। लक्ष्मण के समान मन को नियंत्रण कर रामराज्य का लक्ष्य साधना होगा, सीता समान हर नारी को मन वचन कर्म से पवित्र रहने की दृढ़ प्रतिज्ञा करनी होगी, फिर हम सबको मिलकर भ्रष्टाचार, अनीति, अधर्म के रावण की लंका का दहन करना होगा तभी राम राज्य का परचम लहराएगा।

जिला जेल में रविवार को लगेगा विधिक साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

नवभारत न्यूज

पन्ना,28 मार्च। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शरतचन्द्र सक्सेना के मार्गदर्शन में जेल प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से रविवार, 29 मार्च को सुबह 10.30 बजे से जिला जेल पन्ना में मेगा विधिक साक्षरता एवं नि:शुल्क विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

व्यवहार न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव राजकुमार गौड़ ने बताया कि जेल में निरूद्ध बंदियों और उनके संबंधियों की स्वास्थ्य जांच के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन के सहयोग से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम गठित की गई है। इस टीम में नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ. डी.पी. प्रजापति, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सैंकी अग्रवाल, सर्जिकल विशेषज्ञ डॉ. सुधीर सिंह चैहान, नेत्र चिकित्सक डॉ. सौरभ त्रिपाठी, मेडिसिन चिकित्सक डॉ. अपराजिता तिवारी, दंत चिकित्सक डॉ. शोभित तिवारी सहित मेल नर्सिंग ऑफिसर अजय कोली एवं वार्ड ब्वॉय अरूण कुमार रजक शामिल हैं।

कलेक्टर ने पेट्रोल-डीजल व एलपीजी उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा कर दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 28 मार्च। कलेक्टर ऊषा परमार ने शनिवार को पन्ना शहर सहित जिले के 76 पेट्रोल पंपों में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता, स्टॉक की स्थिति तथा सुचारू रूप से आपूर्ति व वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की और आमजनों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

वर्चुअल बैठक में एसडीएम एवं तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ सहित खाद्य विभाग के अधिकारी एवं ऑयल कंपनियों के सेल्स मैनेजर व प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस मौके पर जिला कलेक्टर द्वारा वर्तमान में सप्लाई व्यवस्था की जानकारी प्राप्त कर कालाबाजारी रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने एवं सतत मॉनिटरिंग व जांच के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने कहा कि सभी ऑयल कंपनी, डिपो एवं पंप पर नियमित अंतराल पर नया स्टॉक पहुंच रहा है। इसलिए प्रति दिवस मांग अनुसार आपूर्ति का प्रयास किया जाए। जिला कलेक्टर ने कहा कि संभवत: कुछ स्थानों पर ग्राहकों की अधिक संख्या के कारण बिक्री बढ़ने से ड्राय पंप जैसे हालात बने, लेकिन कंपनी के डिपो से लगातार पूर्ति के कारण अब उपभोक्ताओं को समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

शासन स्तर से भी बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए समस्त सप्लाई लोकेशन पर ज्यादा समय तक काम करने एवं मांग को पूरा कर स्थिति को सामान्य बनाने के निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की निर्बाध आपूर्ति के उद्देश्य से सभी आवश्यक कार्यवाही की जाए तथा अपने स्तर पर उपभोक्ताओं से पेट्रोल व डीजल का संग्रहण न कर स्वयं की जरूरत अनुसार ही क्रय की अपील भी करें। सभी पंप पर रजिस्टर रखवाकर रिकार्ड कीपिंग व्यवस्था शुरू कराने तथा किसी भी सूचना पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश सहित सीसीटीवी कैमरे से व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए भी कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि अद्यतन स्थिति अनुसार 30 पेट्रोल पंप पर तात्कालिक रूप से पेट्रोल व डीजल की आवश्यकता है। इस पर अविलंब आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना जिला संगठक ने शिविरों का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 28 मार्च. राज्य एनएसएस अधिकारी मनोज अग्निहोत्री की सार्थक पहल पर उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी पत्र एवं तदनुसार अरुण कुमार चैरसिया, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर तथा डॉ एस डी चतुर्वेदी, प्राचार्य, एक्सीलेंस कॉलेज पन्ना द्वारा जारी पत्रों के परिपालन हेतु मार्च के अंतिम सप्ताह में पन्ना जिले में शासकीय कन्या महाविद्यालय पन्ना एवं कृषि महाविद्यालय पन्ना द्वारा गोदग्राम लक्ष्मीपुर में, महाविद्यालय शाहनगर द्वारा धरमपुरा में, महाविद्यालय गुनौर द्वारा सुंगरहा में, महाविद्यालय देवेंद्र नगर द्वारा सुंदरा में, एवं नवीन महाविद्यालय खोरा द्वारा धूनी आश्रम खोरा में 07 दिवसीय इकाई स्तरीय विशेष शिविर संचालित किया जा रहे हैं। पन्ना जिले में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविरों के मानकों के अनुसार संचालन के परीक्षण हेतु डॉ मनोज कुमार शुक्ल, जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना जिला- पन्ना द्वारा निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। जिसमें शिविर में विद्यार्थियों की संख्या, परियोजना कार्य, बौद्धिक चर्चा सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिविरार्थियों हेतु भोजन आदि की व्यवस्था, शिविर संबंधी विभिन्न रजिस्टर तथा शिविर के आवासीय होने संबंधी तथ्यों को देखा गया एवं कार्यक्रम अधिकारियों को शिविर संचालन व्यवस्था में सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला संगठक द्वारा निरीक्षण की यह रिपोर्ट राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर को प्रेषित की जाएगी, जिस पर अग्रिम कार्रवाई राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी।

रामलीला मैदान में दशहरा के दिन हुआ विशाल भंडारा

नवभारत न्यूज

अजयगढ/पन्ना,28 मार्च। रामलीला मैदान में 9 दिन तक चैत्र नवरात्रि में राम दरबार सजाया जाता है 9 दिन तक राम दरबार की पूजा अर्चना के बाद नवमी को राम जन्मोत्सव मनाने के उपलक्ष्य में दशहरा के दिन विशाल नगर भंडारा किया जाता है।

पहले कन्या भोज कराया जाता है इसके बाद नगर वासी क्षेत्रवासी सभी लोगों को पात में बैठा कर प्रसाद ग्रहण कराया जाता है। जब से रामलीला मैदान में राम दरबार की स्थापना हुई है तब से यह निरंतर चल रहा रामलीला मैदान में विगत पांच वर्षों से राम दरबार की स्थापना हो रही है और 5 साल से ही यहां पर भंडारे का आयोजन किया जा रहा है आयोजन समिति द्वारा सुवह से ही भंडारा प्रारंभ कर दिया गया था जिसमें भारी मात्रा में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

सचिवों के सिखाए दांव पेंच पर काम कर रहे पंचायतों के सरपंच

नवभारत न्यूज

पन्ना,28 मार्च। पंचायत व सरकार के उपक्रम को जोड़ने वाली अहम कड़ी सचिवों के पास रहती है, जिसका व सरपंचों को अपना दांव पेंच सिखा कर कागजों में विकास कार्य दिखा कर सरकारी राशियों का व्यापक पैमाने पर दुरूपयोग कर रहे हैं।

सरकार से ग्राम पंचायत के विकास के लिए मिलने वाली राशि सचिव के माध्यम से ही सरपंच तक पहुंचती है। लिहाजा सचिव ही खाउ कमाउ वाला निकला तो सरपंच क्यों पीछे हटे। अगर सरपंच को 5 से 7 हजार रूपये की जरूरत होती है तो पंचायती कार्यक्रम एवं स्टेशनरी के नाम पर टेन्डर का बिल लगा कर उनसे पैसा ले लिया जाता है। एवं साथ में पंचायत के नाम पर घर की जरूरतें पूरी की जाती हैं सरकार के पैसे से वही पर आपको बता दे कि सरकार के द्वारा चलाए जा रहे पंचायत में मनरेगा कार्य को मजदूरों के द्वारा करवाया जाए लेकिन वहीं पर पंचायत के सरपंच सचिव के द्वारा जेसीबी व ट्रेक्टर लगवा कर कार्य कराये जाते हैं। लेकिन जनपद एवं जिला पंचायत के अधिकारियों की अनदेखी के कारण सरपंच सचिव से कोई जबाव नहीं लिया जाता न ही अधिकारियों के द्वारा पंचायत भवन का निरीक्षण किया जाता कि पंचायत में कितने कागजात कितने कुर्सी टेबल हैं। न ही पंचायत में जाकर यह देखा जाता है कि क्या कार्य किया जाता है और क्या नहीं किया जाता है। जेब भरने का कार्य ग्राम पंचायत के विकास कार्यो से शुरू हो चुका है। भ्रष्टाचार से सचिव नए नवेले सरपंचों को यह सिखा रहे है कि किस तरह से शासन की योजनाओं के साथ खिलवाड किया जाता है एवं किस कित तरह से विकास काय के नाम पर राशि आहरित की जाती हैं अब देखना यह होगा जिला पंचायत अधिकारियों का ध्यान क्या इस तरह के सचिव सरपंचों में जाता है या नहीं।

छत्रसाल कॉलेज में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता हुई

नवभारत न्यूज

पन्ना,28 मार्च। स्थानीय शासकीय छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ष्जल है तो कल हैष् विषय पर एक भव्य जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना और गिरते जलस्तर की गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना था। विद्यार्थियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से जल के महत्व और भविष्य की चुनौतियों पर प्रभावी विचार साझा किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोहित रैकवार, द्वितीय स्थान हर्षा देवी सिंह एवं तृतीय स्थान मुस्कान वर्मा को मिला। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.डी. चतुर्वेदी के कुशल संरक्षण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के सुचारू संचालन में नोडल अधिकारी प्रशांत चैबे की मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इस तरह के अभियानों से युवा पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत होता है। नोडल अधिकारी प्रशांत चैबे ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए जल गंगा संवर्धन के संकल्प को दोहराया।

सीईओ ने मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम की कार्ययोजना पर ग्रामवासियों से की चर्चा

नवभारत न्यूज

पन्ना,28 मार्च। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी ने चयनित ग्रामों में मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के क्रियान्वयन के संबंध में शनिवार को सलेहा के ग्रामवासियों से संवाद किया।

ग्राम विकास की दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाने के लिए स्थानीय ग्रामीणजनों ने चैपाल में चर्चा के दौरान विकास के विभिन्न मुद्दों एवं विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इस दौरान संबंधित संस्था के प्रतिनिधि द्वारा पांच वर्षीय कार्ययोजना की जानकारी से अवगत कराया गया। जिपं सीईओ ने शासन के निर्देशानुसार वृंदावन ग्रामों की अवधारणा, रूपरेखा व अन्य वांछित जानकारी से अवगत कराया और इसके जरिए ग्राम के समग्र विकास व सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी भी दी।

भूख, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और पिछड़ेपन का लोकतांत्रिक श्राप झेल रहा है जिला

विकास पुरुषों का विकास सिर्फ विज्ञप्तियों तक सिमटा

नवभारत न्यूज

पन्ना,28 मार्च। विकास कार्यों आज से कुछ वर्ष पहले की स्थिति पर गौर किया जाये तो अधिकांश निर्माण कार्यों की बदतर स्थिति की कहानी आज का चिंतित वर्ग बखूबी बयान कर देता है, फिर चाहे वह छोटा निर्माण हो या फिर कोई बड़ा निर्माण कार्य। गुणवत्ता की कागजी कसौटी पर तो ये निर्माण कार्य कागजी, घोड़ों से ज्यादा तेज गति से दौड़ाये गये किंतु वास्तविकता की कसौटी पर ये घुड़शाला से ही बाहर नहीं निकल सके।

इस तरह के माहौल में कैसे गांवों की तस्वीर बदल जाये कहना जरूरी नहीं होगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर मिलने वाली सुविधा भी दिन प्रतिदिन बदलने वातावरण से तुलना करने पर ओछी ही लगती है। दवा के नाम पर मिलने वाले सफेद गोलियां प्रसिद्धी पा चुकी है उतनी शायद ही किसी को नसीब हो। समय बदला परिस्थिति बदली, सरकार बदली मगर नहीं बदल पायी तो बस व्यवस्था जिसका कि आमजन को स्वतंत्रता के बाद से इंतजार है। आज भी स्वास्थ्य के नाम पर मिलने वाली सुविधा से आम आदमी ठगा सा लगने लगा है। आज भी आम आदमी भूख और बेरोजगारी से संघर्ष कर स्वास्थ्य से लड़ने बैलगाड़ी और पालकी के सहारे अस्पताल जाने हेतु लाचार दिखाई दे रहा है। सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थिति भी जगजाहिर हो चुकी है।

आये दिन किसी न किसी माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा के नाम की कलई उजागर होती ही रहती है। किंतु शायद देखने सुनने वाले ही इसे नजर अंदाज किये बैठे हों तो सब कुछ कहना सुनना व्यर्थ है। आज भी अधिकतर स्वास्थ्य केन्द्रों में निजी चिकित्सकों की सेवा लेने की मुफ्त सलाह बांटी जा रही है। यह भी जगजाहिर है कि सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों का लाभ कैसे लोग लेते है, जिन्हें भूख बेरोजगारी अशिक्षा और पिछड़ापन का लोकतांत्रिक श्राप झेलना पड़ रहा है। न कि वो जो कि न सलाह की आवश्यकता समझते है न ही इस ड्योढ़ी पर जाते है। आज भले ही शासन के कार्योलयों में वाहनों की कतारें लगी रहती है। मगर ग्रामीण स्तर पर स्थित स्वास्थ्य कार्यालयों में वाहनों के नाम पर रिक्त ही देखने मिली है। अपवाद स्वरूप कुछ एक केन्द्रों को छोड़ देवे तो भी उनके साथ रोचक कहानियां जुड़ी हुई है। ग्रामीण स्तर पर स्थित चिकित्सा केन्द्रों में पर्याप्त जांच के साधनों व योग्य चिकित्सकों की कमी का ही नतीजा है कि आज निर्धन तबके के लोगों का विश्वास भी इस व्यवस्था केन्द्र से उठता जा रहा है।

आज देखने में आता है कि हम नारों और पोस्टर बंटवाने में जितनी मेहनत कर रहे है उतनी मेहनत बिगड़ी व्यवस्थाओं के सुधार कार्य की तरफ नहीं कर पा रहे है। हमने नारे लिखवा दिये पोस्टर पंपलेट चिपकवा दिये, आदेश जारी कर दिये मगर आमजन से मिली प्रतिक्रिया पर समीक्षा करने की आवश्यकता हमने आज तक महसूस ही नहीं की। इसी का दुष्परिणाम है कि आज जारी दिशा निर्देश मिलने के बाद जिम्मेवार वर्ग उतना ही निश्चिंत हो जाता है जिनके बेफिक्र पहले थे। आमजन से विलुप्त होती सतर्कता का ही नतीजा है कि आज शिक्षा व्यवस्था भी राजनीति के तवे पर रोटी का रूप लेने विवश और लाचार पड़ी रहती है। शिक्षा

व्यवस्था पर हर गुजरते दिन के साथ होने वाले बदलाव ही नतीजा लेकर आता है कि हमारी फिकर शिक्षा के प्रति कितनी घट चुकी है आज शिक्षकों की दशा पर गौर किया जाये और कहा जाये कि इससे बंधुआ की भांति काम लिया जा रहा है तो गलत नहीं होगा। चाहे निर्वाचन हो जनगणना या कोई भी अन्य कार्य सब कुछ शिक्षकों के सहारे ही पूरा कराया जाता है। इन सब दायित्वों को झेलने के बाद शालाओं को इनकी सेवा का कितना लाभ मिलता है यह बताने के लिए सरकारी शालाओं में विषयवार शिक्षकों की बढ़ती समस्या और उक्त कमियों का ही नतीजा है कि पढ़ने वाले विद्यार्थियों और सक्षम पालकों ने इन शालाओं को अपनी विश्वसनीयता के पायदान से उतार दिया है।

यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि इन शालाओं में सिर्फ वे बच्चे अध्ययन करते है जिनके पालक अभिभावक आर्थिक रूप से सक्षम व निजी शालाओं के भार को सहने में असमर्थ है। जब तक शिक्षण संस्थाओं में एक आदर्श व्यवस्था का इंतजार नहीं किया जायेगा तब तक इनकी हालत में उच्चशिक्षा का सपना देखना मुश्किल है एक वक्त के भोजन के लालच में शिक्षा में भीड़ तो जुटायी जा सकती है किन्तु एक आदर्श व्यवस्था नहीं जुटायी जा सकती। आज निजी शालाओं की व्यवस्थाओं को देखा जाये तो हमें वह सब देखने सुनने मिल जायेगा जो कि नौनिहाल आंखे सहज प्रयास में देखने की आदी होती है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय शालाओं में हमेशा आवश्यक सुविधाओं का ही अभाव रहता है फिर अन्य सुविधाओं को मिल पाने की बात करना तो निरर्थक है। सुविधाओं के नाम पर शुल्क वसूलती शालाओं को कब ध्यान आये और इन व्यवस्थाओं को कब पात्रों के नाम करेगी या सुविधा मुहैया करायेगी कुछ कहा नहीं जा सकता। ग्रामीण स्तर पर शैक्षणिक सुविधा का अभाव ही है कि आज ग्रामीण स्तर पर उभरने वाली खेल प्रतिभाओं की कमी आ गयी है जिसे तलाशने हमें आंदोलन की शक्ल में अभियान चलाने पड़ रहे है।

आज हमारी योजनाओं की दृष्टि भूमि वंटन पर तो पड़ रही है किंतु खेल के मैदान को तरसती शालाओं और खेल के मैदान को निहारती मासूम निगाहों की तरफ कोई भी योजनात्मक दृष्टि पड़ती दिखाई नहीं देती। यदि सरकार आज गांव-गांव तक सुविधाओं व्यवस्थाओं को पहुंचाने के लिए संकल्पित है तो आमजन को भी इन सुविधाओं को पाने के लिए उसी तरह कतरा बद्ध होना चाहिए जैसे कि हम आज तक होते आये है। तभी इन संकल्पों को कार्य रूप में बदलते अपने आसपास देख पायेंगे अन्यथा हमें फिर व्यवस्था को कोसते-कोसते अव्यवस्था को सहने का आदी होना पड़ेगा।

जिले का पिछड़ापन दूर करने के लिए रेल लाइन-प्रदेश के सबसे पिछड़े और उपेक्षित जिलों में शुमार हो चुके पन्ना जिले में विकास की विपुल संभावनाएं मौजूद है, लेकिन सक्षम नेतृत्व के अभाव व इच्छा शक्ति की कमी के चलते बीते पांच दशकों में बुंदेलखण्ड क्षेत्र के इस जिले का अपेक्षित विकास नहीं हो सका। ललितपुर सिंगरौली रेल लाइन के पन्ना से लेकर निकलने की संभावना को देखते हुये विकास की उम्मीद जागी थी, लेकिन बीते दस सालों में इस दिशा में अभी भी कोई ठोस पहल व प्रयास नहीं हुये फलस्वरूप पन्ना जिले की स्थिति जस की तस बनी हुयी है। इस क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों का रवैया भी अत्यधिक ढुलमुल व निराशाजनक रहा। हालांकि पन्ना सतना रेलवे लाईन का कार्य प्रगति पर है और ऐसी संभावनाएं है कि एक साल बाद पन्ना वासियों को रेल सेवा उपलब्ध हो सकती है। वहीं ललितपुर सिंगरौली वाया खजुराहो लाईन के लिये अभी वर्षो इंतजार करना पडेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पन्ना जिले के विकास से जुड़े अहम मुद्दे के प्रति जो भी राजनैतिक दल अरूचि दिखायें, क्षेत्र की जनता उस दल को सबक सिखाने के लिए कटिबद्ध रहे, क्योंकि सब तक क्षेत्र की जनता आक्रामक नहीं होगी तब तक इस जिले की इसीतरह से उपेक्षा होती रहेगी।

विपुल संभावनाओं के बावजूद अभी तक यहां अपेक्षित विकास नहीं हो सका। जबकि पन्ना में खूबसूरत और भव्य मंदिरों की पूरी श्रंखला है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन सकते है, लेकिन आवागमन की सुविधा की कमी व अन्य सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण पर्यटक चाहकर भी पन्ना नहीं आते।